Padma Vibhushan



Dr. (Smt.) TEEJAN BAI

Dr. (Smt.) Teejan Bai is a renowned exponent of Pandwani, a traditional performing art of Chhattisgarh. In her performance, she has been enacting tales from the Mahabharata, with musical accompaniments.

2. Born on August 08, 1956, Smt. Teejan Bai learnt Pandwani singing from her grandfather, Shri Brij Lal Pardhi. She got formal training of Pandwani from Shri Ummaid Singh Deshmukh. She gave her first performance at the age of 13 at Gram Chandrakhuri (Durg). She also got an opportunity from Adiwasi Lok Kala Parishad, Bhopal to perform at Bharat Bhawan.

3. Smt. Teejan Bai has performed not only in India but also in various other countries such as France, Germany, United Kingdom, Turky, Italy, Yemen, Bangladesh, Europe etc. She also performed sequences from the Mahabharata in Shyam Benegal's acclaimed Doordardashan T.V. series, Bharat Ek Khoj. She was honoured with D. Lit by Guru Ghasidas Vishwavidyalaya in 2003; by Pt. Ravishankar Vishwavidyalaya in 2009 and by Rani Durgawati Vishwavidyalay in 2012.

4. Smt. Teejan Bai has received various awards and honours such as Shreshth Kala Acharya, 1994; Sangeet Natak Academy Award, 1996; Devi Ahilya Samman, 1998; Esuri Samman, 1999; Mahila Nav Ratna; Kala Shiromani Samman; Aditya Vikram Birla Prize; Chandrashekhar Saraswati National Animation Award etc. She received Padma Shri in 1988 and Padma Bhushan in 2003.

पद्म विभूषण

डॉ. (श्रीमती) तीजन बाई



डॉ. (श्रीमती) तीजन बाई छत्तीसगढ़ की पारंपरिक प्रदर्शन कला पंडवानी की एक सुप्रसिद्ध कलाकार हैं। आप अपनी संगीतमय प्रस्तुति के साथ महाभारत की कहानियों को अभिनीत करती हैं।

2. आपका जन्म 08, अगस्त, 1956 को हुआ और आपने अपने दादा श्री बृज लाल पारधी से पंडवानी गायकी सीखी। आपने श्री उम्मेद सिंह देशमुख से पंडवानी की औपचारिक दीक्षा ग्रहण की। 13 साल की उम्र में ही आपने ग्राम चंद्रखुरी (दुर्ग) में अपनी पहली प्रस्तुति दी। आपको आदिवासी लोक कला परिषद, भोपाल की ओर से भारत भवन में प्रस्तुति देने का अवसर भी मिला।

3. आपने न केवल भारत में, बल्कि फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, तुर्की, इटली, यमन, बांग्लादेश, यूरोप आदि कई अन्य देशों में भी प्रस्तुति दी है। आपने श्याम बेनेगल की चर्चित दूरदर्शन टी. वी. सीरीज़, 'भारत एक ख़ोज' में भी महाभारत के दृश्यों को प्रस्तुत किया। आपको वर्ष 2003 में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा, वर्ष 2009 में पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय द्वारा और वर्ष 2012 में रानी दुर्गावती विश्व विद्यालय द्वारा डी. लिट की उपाधि प्रदान की गई।

4. आपको अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं जिनमें वर्ष 1994 में श्रेष्ठ कला आचार्य, वर्ष 1996 में संगीत नाटक अकादमी अवार्ड, वर्ष 1998 में देवी अहिल्या सम्मान, वर्ष 1999 में एसुरी सम्मान, महिला नव रत्न, कला शिरोमणि सम्मान, आदित्य विक्रम बिड़ला पुरस्कार, चंद्रशेखर सरस्वती नेशनल एनिमेशन पुरस्कार आदि शामिल हैं। आपको वर्ष 1988 में पद्म श्री और वर्ष 2003 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया है।